राज्यपाल सचिवालय, बिहार
राजभवन, पटना–800022
प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल सचिवालय में कुलसचिवों की बैठक आयोजित हुई

पटना, 29 जून 2017

आज राज्यपाल सचिवालय में राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों, वित्तीय सलाहकारों एवं वित्त पदाधिकारियों की नियमित समीक्षा–बैठक सम्पन्न हुई। कुलाधिपति के द्वारा पूर्व में निर्धारित तिथि के अनुरूप आज की समीक्षा–बैठक में विश्वविद्यालयों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में विश्वविद्यालयों में एकेडमिक कैलेण्डर के अनुपालन की समीक्षा की गई तथा कुलाधिपति के निदेशानुरूप ऑन–लाईन एडमिशन की प्रक्रिया को सभी विश्वविद्यालयों में पूरी तरह सुनिश्चित कराने को कहा गया।

बैठक में संबद्ध महाविद्यालयों (Affliated Colleges) की सूची को समाचार–पत्रों में पुनः विज्ञापित कराने का निर्णय लिया गया, ताकि नामांकन के इच्छुक विद्यार्थियों को इनके बारे में वास्तविक जानकारी उपलब्ध रहे। संबद्ध महाविद्यालयों की आधारभूत संरचना, उनके द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों आदि की सतत् समीक्षा करते रहने का भी निर्णय बैठक में लिया गया। विभिन्न विश्वविद्यालयों के अन्तर्गत कॉलेजों में बी॰एड॰ की पढ़ाई एवं विशेष रूप से बी॰एड॰ कॉलेजों की आधारभूत संरचना, शिक्षकों की उपलब्धता आदि की जाँच कराने को कहा गया। अंगीभूत महाविद्यालयों में भी बी॰एड॰ की पढ़ाई कराये जाने का सुझाव भी बैठक में सामने आया।

बैठक में समीक्षा के क्रम में विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में शिक्षकों की अनधिकृत अनुपस्थितियों के विरूद्ध कृत कार्रवाई की स्पष्ट रिपोर्ट शीघ्र भेजे जाने के लिए कुलसचिवों को कहा गया। साथ ही विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में बायोमेट्रिक्स प्रणाली की संस्थापना की दिशा में शीघ्र अनुपालन–प्रतिवेदन भेजने को कहा गया।

विश्वविद्यालयों में वित्तीय नियमितता बहाल रखने के उद्देश्य से रिसिप्ट बुक, लेजर बुक, बैंक बुक, कैश–बुक, आय पंजी, व्यय–पंजी, लोन अग्रिम पंजी, भाऊचर पंजी, भंडार पंजी, रोकड़ पंजी आदि के समुचित संधारण तथा उनके सम्यक् अंकेक्षण का भी बैठक में निर्णय लिया गया। विभिन्न मदों में सरकार से प्राप्त राशियों के विरूद्ध उपयोगिता–प्रमाण–पत्र ससमय भेजने हेतु भी कुलसचिवों को कहा गया, ताकि आबंटन–प्राप्ति में असुविधा नहीं हो।

बैठक में शिकायत–निवारण–कोषांग, छात्र–कल्याण–कोषांग तथा सेवान्त–लाभ–कोषांग की नियमित बैठक कर निष्पादित मामलों से संबंधित प्रतिवेदन ससमय राज्यपाल सचिवालय को भी उपलब्ध कराने के लिए कहा गया।

बैठक में राज्यपाल के प्रधान सचिव के अलावा सभी विश्वविद्यालयों के कुलसचिव, राज्यपाल सचिवालय के अधिकारी, विश्वविद्यालयों के वित्तीय सलाहकार तथा वित्त पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

.....